कुछ तो कहो किशोरी ...

कुछ तो कहो किशोरी, अब चुप ना रहो,
टुक मेरी ओर निहारि के, मो पे कृपा करो ।।

मैं तो बिसर गई हूँ, बिसारो न तुम मुझे
जीवन गुज़र रहा है, यूँहीं माया जाल में
अब तो उबार लीजिये वृषभानु नंदिनी ।।1।। टुक ...

माटी गई है सूख, बिना प्रेम धार के
ऋतुएं बदल गई हैं, इसी इंतज़ार में
अब तो गुहार कीजिये वृषभानु नंदिनी ।।2।। टुक ...

पापों की गठरी बाँधि के, लाया हूँ द्वार पे
'गोविन्द' भीख माँगे आँचल पसार के
करूणा के द्वारा खोलिये, वृषभानु नंदिनी ।।3।। टुक ...

http://www.govindbhargav.in